A REPORT ON CELEBRATION OF 25TH FOUNDATION DAY HELD ON 25.08.2024

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

दिनाँक 25 अगस्त 2024 को भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति(भावना) की स्थापना का रजत जयंती समारोह -"द इंस्टीटयूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), रिवर बैंक कालोनी के प्रेक्षागृह में समपन्न हुआ l समारोह के मुख्य अतिथि सुविख्यात वैज्ञानिक डॉ0 सूर्यकांत, विभागाध्यक्ष,श्वसन विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ; विशिष्ट वक्ता व्यापार से अध्यात्म की तरफ जीवन धारा को मोड़ देने वाले नवयुवक, "Emotional wellness centre -Golden future" के संस्थापक एवं प्रबंधन गुरु श्री शोभित नारायण अग्रवाल थे l

मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में एक अद्भुत संयोग की बात कही कि आज जहाँ भावना की स्थापना की रजत जयन्ती है वहीं उनके डॉक्टर के रूप में कार्य शुरू करने की भी रजत जयन्ती है l अत्यन्त सरल शब्दों में श्रेष्ठतम भावों के सम्बोधन द्वारा उन्होंने सभागार में सभी के दिलों को छूकर झंकृत कर डाला l उनके अनुसार जिस घर में बचपन और पचपन की मौजूदगी होती है वहीं जीवन होता है l आज लोग अधिकतर आगे फिर और आगे बढ़ने की होड़ में सुखद जीवन जीने से वंचित हो रहे हैं और तनाव भरा जीवन अपनाए हुए हैं l परिणाम में रोग ग्रस्त, पति-पत्नी में अलगाव और एकाकीपन का जीवन जीने हेतु बाध्य हो रहे हैं l उन्होंने कहा कि भावना की रजत जयन्ती स्थापना दिवस के इस कार्यक्रम में सभागार में पीछे बच्चे अर्थात बचपन और आगे वरिष्ठ जन अर्थात पचपन चरितार्थ हो रहा है इसलिए यह कार्यक्रम भी जीवन्त हो गया है l

इससे पूर्व मुख्य अतिथि; विशिष्ट वक्ता; श्री जगमोहन लाल वैश्य,अध्यक्ष भावना; संस्थापक सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल; हेल्पेज इंडिया के निदेशक एवं प्रदेश प्रमुख श्री अनूप पंत; सभा में उपस्थित 90 वर्षीय व्यापारी एवं समाजसेवी तथा भावना के विशिष्ट सदस्य श्री लवकुश नारायण सेठ द्वारा दीप प्रज्वलन से समारोह का शुभारम्भ किया गया l इसके पश्चात भावना के सांस्कृतिक सचिव श्री उदय भान पाण्डेय तथा सदस्य श्री उपेन्द्र बाजपेयी के मंचीय नेतृत्व में सभा में उपस्थित जनों द्वारा समवेत भावना के भावनात्मक संकल्प गीत गायन किया गया l

अध्यक्ष श्री वैश्य द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट वक्ता, श्री विनोद कुमार शुक्ल, श्री लवकुश नारायण सेठ जी का अभिनंदन/सम्मान स्वरूप माल्यार्पण, पुष्प गुच्छ अर्पण एवं शाल अर्पण करने के पश्चात उनके द्वारा अन्य अभ्यागतों के स्वागत सम्बोधन करते हुए भावना के उद्देश्यों और दृष्टिकोण से सभा को अवगत कराया l सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष श्री वैश्य ने कहा कि भावना के निर्धन, निर्बलजन एवं निराश्रित महिलाओं की सेवा हेतु ग्राम्यांचल एवं निर्धन जन सेवा तथा महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ, पर्यावरण के प्रति सजगता हेतु पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ, चिकित्सा एवं निर्धन बीमारों के परिजनों की सेवा हेतु वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ तथा भावना प्रसादम प्रकोष्ठ, निर्धन परन्तु मेधावी छात्रों के सहायतार्थ शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ के साथ अपने वरिष्ठ जन सदस्यों में स्वावलंबन ,सहयोग एवं सहिष्णुता को भावना बलवती कर प्रसन्न ,स्वास्थ्य एवं सार्थक

जीवन जीने की प्रेरणा हेतु सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ तथा भावना प्रकाशन प्रकोष्ठ द्वारा त्रैमासिक प्रकाशित पत्रिका द्वारा समाज में गत 24 वर्षों से भावना समिति द्वारा सक्रिय भूमिका निभाया जा रहा है।

पुनः श्री उदयभान द्वारा अवसर विशेष हेतु स्व-रचित स्वागत गीत द्वारा मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों का मन मोह लिया।

भावना की स्थापना से ही महासचिव (प्रशासन), प्रमुख महासचिव एवं गत वर्ष तक अध्यक्ष के पद के उत्तरदायित्व द्वारा गत 24 वर्षों की महान यात्रा के एकमात्र उपस्थित साक्षी संस्थापक सम्प्रति संरक्षक सदस्य श्री विनोद कुमार शुक्ल जी ने अपने सम्बोधन में बताया कि उन दिनों केवल वरिष्ठ नागरिकों के हित चिन्तन में तो कई संस्थायें कार्य कर रही थीं पर वरिष्ठों द्वारा संयुक्त प्रयास से स्वावलंबन, सहयोग एवं सेवा की भावना का दृष्टिकोण रखते हुए समाज के विभिन्न निर्बल, निराश्रित, असहायों, महिलाओं आदि के बारे में सोचते हुए स्वावलंबी सेवा निवृत्त लोगों द्वारा समाज को वापस करने के भाव से समर्पित सदस्यों की सम्भवतः देश की सबसे अलग संस्था भावना के गठन की भूमिका पर प्रकाश डाला जिसने आगे चलकर कई मानदण्ड स्थापित किए। फिर 24 वर्षीय यात्रा के अविस्मरणीय राष्ट्रीय, अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी, वरिष्ठ नागरिक कल्याण महासंघ, उत्तर प्रदेश के गठन में भावना की मुख्य भूमिका तथा हेल्पेज इंडिया सहित भावना के नेतृत्व में वरिष्ठों के हित में कार्यरत अन्य समाजसेवी संस्थाओं के सम्मिलित प्रयासों से 28 अगस्त 2012 को उत्तर प्रदेश में केन्द्र द्वारा अधिसूचित “माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007” को अंगीकृत कराने और 14 फरवरी 2014 को “उत्तर प्रदेश माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण नियमावली 2014” अधिसूचना जारी कराने में सफलता तथा उसी क्रम में निरन्तर सम्मिलित प्रयासों से ही 21 मार्च 2016 को “उत्तर प्रदेश राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति” की अधिसूचना निर्गत कराने में प्राप्त सफलता से सभा को अवगत कराया। देश विदेश में सदस्यों के सामूहिक यात्रा के अविस्मरणीय क्षणों का भी उन्होंने उल्लेख करने के साथ ही प्रति वर्ष आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय एवं स्व0 एस0 सी0 त्रिवेदी मेमोरियल ट्रस्ट के साथ मिलकर निरन्तरता में आयोजित हो रहे निःशुल्क परीक्षण एवं दवा वितरण चिकित्सा शिविरों के विभिन्न सोपानों की चर्चा भी की। भाव विभोर श्री शुक्ला जी के पास अविस्मरणीय तमाम गतिविधियों का खजाना था परन्तु आयोजन की समय सीमा के बन्धन के कारण लगभग 40 मिनट के सम्बोधन के पश्चात उन्होंने अपनी वाणी को विराम दिया।

संयोगवश आज ही विशिष्ट वक्ता श्री शोभित जी का आज जन्म दिन होने की सूचना पर सभी उपस्थित लोगों द्वारा उन्हें बधाई देने और भविष्य में उत्तरोत्तर संतुष्टि सहित प्रगति की शुभकामनाएँ दी गईं। उन्होंने, “ Success in life through good relationship” पर अपने व्याख्यान में वर्तमान में वरिष्ठ जनों के एकाकीपन का उदाहरण रखते हुए कहा कि जीवन में खुश रहना सबसे महत्वपूर्ण है। आहार, व्यायाम, धनसंपदा आदि की महत्ता अपनी जगह है परन्तु समाज में आपके व्यावहार की गुणवत्ता अधिक महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि सम्बन्धों को सशक्त करने हेतु हारना भी बड़ी जीत है। सम्बन्धों में समझौते के स्थान पर विश्वास का अधिक महत्व है। स्वयं के उदाहरण से सोचिए कि आपने किसको कितना धन दिया या किससे

कितना प्राप्त हुआ यह आपको याद नहीं होगा परन्तु किसी उपहार के लेन देन में उपहार नहीं बल्कि उस समय का वह भाव कि उन्होंने कैसा महसूस किया अथवा आपको कैसा महसूस हुआ यह यादगार बन जाता है और इसलिए जीवन यात्रा में सम्बन्धों में निवेश आवश्यक है l

हेल्पेज इंडिया के निदेशक तथा उ0 प्र0 प्रभारी श्री अनूप पंत ने रजत जयंती वर्ष हेतु शुभकामनाओं के साथ ही हर सम्भव सहयोग देते रहने का आश्वासन भी दिया l

श्री सेठ प्राप्त सामूहिक सम्मान के प्रति भावना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने जीवन के उद्धार एवं भावना के यादगार क्षणों की अभिव्यक्ति करते समय अत्यन्त भावुक हो गए l

इसके पश्चात् कार्यक्रम संचालन कर रहे प्रमुख महासचिव श्री रमा कान्त पाण्डेय द्वारा यह सूचित करते हुए कि भावना द्वारा प्रायोजित एवं वित्तपोषित शिक्षा सहायता योजना के अन्तर्गत गत वर्ष तक 1438 बच्चों में रुपये 25,24,646 की धनराशि की सहायता दी जा चुकी है l इसी क्रम में आज विद्यालयों के गरीब परंतु मेधावी छात्र /छात्राओं को उनके विद्यालय के प्रधानाचार्य /अध्यापकों के माध्यम से प्रथम किस्त के रूप चेक वितरण की आगे की कार्यवाही हेतु श्री जग मोहन लाल जायसवाल महासचिव(कार्यान्वयन) का आह्वान किया l उनके द्वारा कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए6 मुख्य अतिथि एवं अन्य मंचासीन अतिथियों/पदाधिकारियों के माध्यम से 19 विद्यालयों के कक्षा 1 से 12 तक के 130 छात्रों/छात्राओं में तथा इसी के साथ पिछले वर्ष सहायता प्राप्त विद्यार्थियों में से कक्षा 12 में सर्वोत्तम अंक एवं द्वितीय उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः रु0 21000 /= एवं रु0 15000 /= का तथा कक्षा 10 में सर्वोत्तम द्वितीय उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः रुपये 11000 /= एवं 10000 /= के नकद पुरस्कार सहित प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया जिसमें श्री राजेन्द्र कुमार चुघ महासचिव (प्रशासन) द्वारा मंच पर सहयोग प्रदान किया गया l

सभा का कुशल संचालन प्रमुख महासचिव श्री रमा कान्त पाण्डेय द्वारा किया गया।

उपाध्यक्ष श्री राम लाल गुप्ता ने कार्यक्रम में सभी अतिथियों द्वारा धैर्य से इतना बहुमूल्य समय देने हेतु, दूरदर्शन व अन्य मीडिया द्वारा समय निकाल कर उपस्थित होने, सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों, भावना सदस्यों तथा विद्यालय के बच्चों एवं प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया l उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग हेतु संचालन समिति के पर्दे के पीछे रहने वाले सहयोगी सदस्यगण सर्व श्री तुंग नाथ कनौजिया उपाध्यक्ष, सतपाल सिंह महासचिव, राज देव स्वर्णकार उप महासचिव, राम मूर्ति सिंह उप महासचिव, धनंजय द्विवेदी उप महासचिव, राम कृष्ण आनंद कोषाध्यक्ष, श्री राकेश चन्द्र अग्रवाल सम्प्रेक्षक, श्रीमती नीना अग्रवाल सचिव, डॉ0 अंजलि गुप्ता, प्रोफेसर, सुनील कुमार उपरेती, आदित्य प्रकाश सिंह, विनोद कपूर एवं प्रोफेसर (डॉ0) अवनीश अग्रवाल तथा 'द इंस्टीट्यूसन ऑफ इंजीनियर्स' के कर्मचारियों को विशेष धन्यवाद दिया l तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ l